एक नया उदाहरण - सार्वजनिक -निजी साझेदारी

बेल्लारी : बेल्लारी जिला सूती वस्त्र व परिधान उद्योग विकास ट्रस्ट (बीडीसीटीसीआईडीटी) : सार्वजनिक-निजी साझेदारी परीक्षण गृह बेल्लारी में कार्यशील हो गया है ।

वस्त्र परीक्षण एवं विकास केंद्र (टीटीडीसी), सार्वजनिक-निजी साझोदारी के नमूने पर गठित एक अनूठा केंद्र, मदुराई इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, और वस्त्र समिति, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मदुराई में संयुक्त रुप से स्थापित किया गया था । टीटीडीसी मदुराई क्षेत्र में वस्त्र और परिधान उद्योग के सभी क्षेत्रों को एक ही स्थान पर सेवाएँ प्रदान करता है ।

इस नमूने की सफलता से प्रेरित होकर बेल्लारी, कर्नाटक के गारमेंट और जिनिंग व प्रेसिंग उद्योगों की जरुरतों को देखते हुए वस्त्र समिति ने ऐसी ही पहल की है ।

बंगलौर से 400 कि.मी. की दूरी पर स्थित बेल्लारी नामक शहर में कपास जिनिंग और छोटे गारमेंट विनिर्माता हैं । बेल्लारी क्लस्टर में छोटे पैमाने की 50 से अधिक जिनिंग और प्रेसिंग इकाइयों और तीन स्पिनिंग इकाइयाँ हैं । बेल्लारी क्लस्टर के आसपास आंध्र प्रदेश के अडोनी की तरह कपास उत्पादक क्षेत्र हैं । बेल्लारी क्लस्टर पहले रक्षा क्षेत्र के लिए परिधान के पूरक के रुप में जाना जाता था और अब वह जीन्स क्लस्टर के रुप में प्रसिद्ध है । क्लस्टर विकास कार्यक्रम के अंतर्गत यूनिडो ने "परीक्षण सुविधा आवश्यकताओं" को ऐसे अभाव के रुप में पहचाना है जहाँ मध्यस्थता की आवश्यकता है । उद्यमी बंगलोर और कोयंबतूर में उपलब्ध परीक्षण सुविधाओं का उपयोग करते हैं । बेल्लारी कर्नाटक में स्थित है जो प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में से एक है । कपास के परीक्षण के लिए कोई परीक्षण सुविधाएँ नहीं थीं जिसके कारण जिनिंग व प्रेसिंग इकाइयों को बहुत असुविधा होती थी । बेल्लारी क्लस्टर की गारमेंट विनिर्माण इकाइयों को भी परीक्षण सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं ।

वस्त्र मंत्रालय ने वस्त्र समिति को नोडल एजेंसी के रुप में नियुक्त किया है जिससे सार्वजनिक-निजी साझोदारी नमूने के अंतर्गत परीक्षण के अभाव की स्थिति में निपटने को क्लस्टर

मध्यस्थताओं में से एक के रुप में लिया जाय । वस्त्र समिति ने क्लस्टर द्वारा अनुभूत जरुरतों पर अध्ययन किया और वस्त्र परीक्षण सुविधा की स्थापना के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार की । उद्योग की साझेदारी को एक ट्रस्ट के रुप में ग्रहण किया गया है जो सोसायटी अधिनियम के अंतर्गत है और जिसका नाम बेल्लारी जिला सूती वस्त्र व परिधान उद्योग विकास ट्रस्ट (बीडीसीटीसीआईडीटी) है । यह ट्रस्ट कपास जिनसे और गारमेंट विनिर्माताओं का प्रतिनिधत्व करता है । ट्रस्ट ने भूमि प्रदान कर आधारभूत ढाँचा सुविधाएँ जैसे भवन और अन्य उपयोगी चीजें उपलब्ध करायीं जबकि वस्त्र समिति, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रयोगशाला के उपकरण और अन्य सहायक पूरक सुविधाएँ ट्रस्ट को लीज़ पर प्रदान की । इस सुविधा को प्रचालित करने व इसका रख-रखाव करने का काम ट्रस्ट के जिम्मे हैं और वह अपनी सुयोग्य मानवीय क्षमता को इसके लिए लगाता है । वस्त्र समिति प्रयोगशाला में नियुक्त होनेवालों को आवश्यक प्रशिक्षण दिलवाती है । यदि कोई लाभ होगा तो उसे प्रचालन खर्च की पूर्ति के पश्चात ट्रस्ट और समिति के बीच बराबर-बराबर बाँट लिया जायेगा । वस्त्र समिति केंद्र की कार्यशीलता पर लगातार नजर रखती है ताकि परीक्षण परिणामों की निर्धारित गुणवत्ता के सक्षम एवं इच्छित स्तर को बनाये रखा जा सके और वह भेदभाव का न होना भी सुनिश्चित करती है ।

वस्त्र समिति बीडीसीटीसीआईडीटी को सब प्रकार का तकनीकी सहयोग करती है, जबकि परीक्षण केंद्र का प्रबंधन व प्रचालन की वास्तविक जिम्मेदारी ट्रस्ट की है । केंद्र में अत्याधुनिक प्रयोगशाला उपकरण हैं जिनकी कीमत रु.81 लाख है । केंद्र के पास सूती वस्त्र, धागा, कपड़ों और गारमेंट के परीक्षण के लिए सुविधाएं मौजूद हैं । यह केंद्र नवंबर, 2004 से सक्रिय हुआ है । गुणवत्ता संस्कृति और राजस्व उत्पत्ति दोनों ही रुपों में शुरुआती कार्य - निष्पादन प्रोत्साहनजनक रहा है ।